

पीएचडी के लिए रिसोर्सेज का बनाए वर्चुअल नेटवर्क

इमर्जिंग ट्रेंड्स इन मल्टी
डिसिप्लिनरी रिसर्च सब्जेक्ट
पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस
शुरू

तीन दिन तक कॉन्फ्रेंस में
एक्सपर्ट होंगे रूबरू

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की सेक्रेटरी आईएएस मुग्धा सिन्हा ने कहा कि रिसर्च में क्वालिटी की बेहद आवश्यक है। पीएचडी के लिए रिसोर्सेज का वर्चुअल नेटवर्क बनाए जाए। सिन्हा ने प्रॉब्लम्स स्टेटमेंट को रिसर्च मैथेडोलॉजी का बेसिक कॉन्सेप्ट बताते हुए इसकी एजुकेशन पर जोर दिया। बताया कि इंस्टीट्यूट्स की रैंकिंग उनके रिसोर्सेज के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने अपनी बात पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के एडवांस्ड स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर की ओर से 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च' सब्जेक्ट पर आयोजित ऑनलाइन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में कहीं। गुरुवार से शुरू तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में सिन्हा चीफ गेस्ट रही। इस दौरान यूनिवर्सिटी प्रेसीडेंट डॉ. सुरेश चंद्र पाधे, प्रो-प्रेसीडेंट डॉ. मनोज गुप्ता भी रहे।



रिसर्च न्यू नॉलेज, शेयर करना चाहिए

मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया) विक्टोरियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एकेडमिक डीन डॉ. अरुण पाटिल ने मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि रिसर्च न्यू नॉलेज है, जिसे शेयर करना चाहिए। कोविड-19 के बाद पब्लिक हेल्थ, एनवायरनमेंट सोशल इंटरवेंशन, डेटा सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, सस्टेनेबल एनर्जी व न्यूरोसाइंस नए उभरते हुए सब्जेक्ट हैं। एलएंडटी इंफोटेक लिमिटेड के ओरेकल प्रेक्टिस के ईवीपी व ग्लोबल हेड डॉ. अरविंद अंकलिकर ने भारत में पेटेंट पर विचार रखे। कहा कि यहां रिसर्च पर अधिक फोकस करने की आवश्यकता है। डॉ. अंतरप्रीत सिंह ने कहा कि किसी भी रिसर्च से और अधिक रिसर्च के अवसर उत्पन्न होते हैं।